पशु चिकित्सा जन स्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान विभाग

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)

आओं जानेः लम्पी स्किन डिजीज / गांठदार त्वचा रोग (एल. एस. डी.) के बारे में

- गांठदार त्वचा रोग (लम्पी स्किन डिजीज) मवेशियों की एक विषाणु जनित, संक्रामक एवं घातक बीमारी है जिससे कभी-कभी पशुओं की मौत भी हो जाती है।
- त्वचा एवं शरीर के अन्य भागों पर गांठें होना इसका मुख्य लक्षण है।
- संक्रमण के 4 -14 दिनों के भीतर पशुओं में इस बीमारी के लक्षण देखे जाते हैं।

रोग का संचरण

- ✓ रक्त-चूसने वाले मच्छरों, मक्खियों और कीलनियों के संक्रमित जानवर को काटकर स्वस्थ पशु को काटने से
- ✓ संक्रमित जानवर के सीधे संपर्क में आने से संक्रमण हो सकता है ।

लम्पी रोग के लक्षण

- ✓ तेज बुखार, उदासी, खाने में अरुचि, नाक एवं आँखों से पानी गिरना, दुधारू पशुओं में दूध उत्पादन में कमी होना, सूजी हुई लसिका ग्रंथिया एवं त्वचा पर बड़ी दृढ़ गांठों का बनना पशुओं में इस रोग के लक्षण हैं।

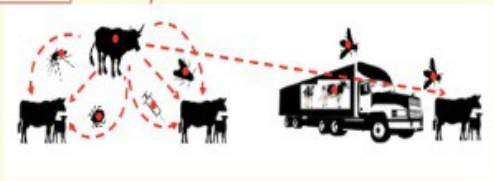

पशुओं में रोग होने पर पशुपालक द्वारा ध्यान देने वाली मुख्य बातें

- रोग के लक्षण प्रकट होने पर अपने नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करे।
- संक्रमित पशुओं की देखरेख करने वाले व्यक्तियों को अपने हाथों को अच्छी तरह धोने चाहिए।
- बीमार पशु से निकाले दूध को उबालकर प्रयोग में लें।

नियंत्रण और रोकथाम

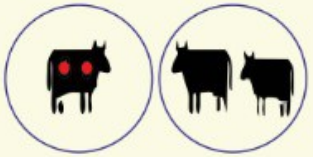

संक्रमित पशु को दूसरे स्वस्थ पशु से अलग रखें।

टीकाकरण- पशु चिकित्सक के परामर्श से गोट पॉक्स का टीका लगवाये।

पशुओं की आवाजाही पर नियंत्रण

- नियमित अंतराल पर पशु परिसर का सोडियम हाइपोक्लोराइट (2-3%), फॉर्मेलिन (1%) इत्यादि का प्रयोग कर विसंक्रमण।
- संक्रमित और आसपास के फार्मस में स्वस्थ पशुओं पर भी बाह्य -परजीवीनाशक का प्रयोग किया जाना चाहिए।

पशुपालक लुवास द्वारा लम्पी रोग की जानकारी हेतु जारी टोल फ्री नंबर 9485737001 पर बात कर सकते है।